भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं॰ 2875

दिनांक 05.12.2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन

2875. सुश्री एस॰ जोतिमणिः

क्या **जल शक्ति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या दिसंबर, 2015 में स्वच्छ भारत मिशन दिशा-निर्देश (एसबीएम-जी) के तहत तत्कालीन पेयजल और स्वच्छता मंत्रालय द्वारा प्रकाशित मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन संबंधी राष्ट्रीय दिशा-निर्देश, जल शक्ति मंत्रालय द्वारा लागू किए जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या इस हेतु राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए स्रोत सामग्री के साथ कार्यशालाएं और संगोष्ठियां आयोजित की गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या मासिक धर्म स्वच्छता के संबंध में 'यूनिसेफ' के साथ कोई कार्यक्रम आयोजित किया गया है या किए जाने की योजना बनाई जा रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, जल शक्ति मंत्रालय

(श्री रतन लाल कटारिया)

(क) और (ख) जी हाँ। तत्कालीन पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम-जी) के अंतर्गत दिसम्बर, 2015 में जारी मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएम) पर जारी दिशानिर्देश अभी भी लागू हैं। चूंकि स्वच्छता राज्य का विषय है, इसलिए एसबीएम-जी को राज्यों/ केन्द्र शासित प्रदेशों की सरकारों के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है। तथापि, यह सुनिश्चित करने के लिए कि एमएचएम दिशानिर्देशों का पालन सभी संबंधित द्वारा किया जाता है, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग ने संबंधित मंत्रालयों/ विभागों अर्थात् स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जनजातीय कल्याण मंत्रालय, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारतीय मानक ब्यूरो आदि के साथ वर्ष 2016, 2017 और 2018 में अंतर मंत्रालयी बैठकें भी आयोजित की थी।

(ग) और (घ) समय-समय पर एमएचएम पर कार्यशालाएं और संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। केरल ने जल आपूर्ति एवं स्वच्छता सहयोग परिषद (डब्ल्यूएसएससीसी) की सहायता से एमएचएम पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। महाराष्ट्र ने संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की सहायता से एमएचएम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं। झारखण्ड ने यूनिसेफ की सहायता से एमएचएम पर एक माह का अभियान आयोजित किया है।